चार्टर्ड अकाउंटेंट की कोचिंग में है लाखों की कमाई

शीतल गौड़
नई दिल्ली

चार्टर्ड अॅकाउटेंट (सीए) की कोचिंग के जरिए बड़े नाम सालाना करोड़ों में कमा रहे हैं और वहीं सीए करने के बाद कोचिंग दे रहे नए अध्यापक लाखों में कमाई कर रहें हैं। अपने कार्य में स्थापित सीए भी सीए कोचिंग को लाभप्रद व्यवसाय मान रहे हैं। सीए की परीक्षा के नए ढांचे ने छात्रों की संख्या को भी बढ़ाया है।

सीए की कोचिंग दे रहे टापर्स इंस्टीट्यूट के अधिकारी ने बताया कि सालाना ढाई से तीन हजार छात्र कोचिंग सेंटर में नामांकन करवाते हैं। सीपीटी की फीस नौ हजार रुपए और प्राफेशनल कंपिटेंस कोर्स (पीसीसी) की फीस 22,000 रुपए है। मई में पीसीसी की परीक्षाएं शुरू हो जाएगी और उसके बाद छात्रों की संख्या बढ़ने लगती है इसलिए अब फीस को भी बढ़ाकर 30,000 हजार रुपए कर दिया गया है। नए छात्रों को नामांकन के बाद 30,000 फीस अदा करनी पड़ेगी। दबी जबान में उन्होंने कहा कि टापर्स इंस्टीट्यूट का सालाना कारोबार 4.5 करोड से ज्यादा है। आईएसएस सीए कोचिंग सेंटर में 1400 के लगभग छात्र सीए की तैयारी के लिए नामांकन करवाते हैं। वहां पीसीसी के सभी विषयों की फीस 25,000 से ज्यादा है। वहां भी सालाना कमाई दो करोड़ से ज्यादा है। एचिवर्स नाम से कोचिंग सेंटर चला रहे मृत्युंजय झा ने कहा कि उनके कोचिंग सेंटर में सालाना 500 छात्र सीए की तैयारी के लिए आते हैं। सीपीटी की फीस आठ हजार है और पीसीसी के दो विषयों की फीस दस हजार हैं। उन्होंने बताया कि लक्ष्मी नगर में 30 से ज्यादा इंस्टिट्यूट सीए कोचिंग के खुले हुए हैं और लगभग हर कोचिंग सेंटर में सालाना 500 से ज्यादा छात्र कोचिंग लेते हैं। छात्रों की संख्या परीक्षाओं के समय बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, नेपाल आदि के छात्र सबसे ज्यादा होते हैं। सीए की तैयारी कर रहे अपूर्व ने कहा कि नामी अध्यापकों की एक विषय की फीस 10 हजार तक होती है, जो बाकी अध्यापकों के मुकाबले ज्यादा होती है। यहां तो 700 छात्रों के एक बैच के साथ ही कई बैच चलते हैं। यहां नामी अध्यापक सालाना दो करोड़ से ज्यादा कमाते हैं। इन लोगों के कोचिंग सेंटरों में बुकिंग भी परीक्षा देने से एक साल पहले करवानी पड़ती है नहीं तो सीट नहीं मिलती।